

फर्द अहकाम

15th / 24th पत्रावली पेश हुई वकूलाब
 उपस्थित, पत्रावली पूर्वानुसार
 वास्तो.....
 दिनांक.....को पेश हो।
 24-5-24

~~1 दिनांक.....को पेश हो।

 मसजिद मुबारक 'पारसु' पर
 वास्तो इहे दिनांक मुबारक~~

~~पत्रावली पेश हुई वकूलाब
 उपस्थित, पत्रावली पूर्वानुसार
 वास्तो.....
 दिनांक.....को पेश हो।~~

24th / 24th पत्रावली पेश हुई। वादीजब वकूलाब
 वकील हए नही। उमवान के वादीजब व
 वादीजब वकील को ज्ञानाद सिखाया गयी।
 ज्ञानाद सिखाने के बादपूय वादीजब वकूलाब
 वकील उमवान उपस्थित। जिससे पारसु
 ये गये कि वादीजब वकूलाब वकील उमवान
 ज्ञाने चलाने में सही गयी है रहे है। उमवान
 ज्ञाने के सिवा सही है। उमवान मुकाम 46/24
 दादा अगदीश बजान मुकाम अहम गदमी
 व अहम गदमी में स्थापित किया जाय है पत्रावली
 केसब मुबार येकर उमवान में उमवान।

